

PT. KRISHNA RAM CHOUDHARY

Pt. Krishna Ram represents the Banaras school of Shehnai music and ranks high among Shehnai exponents today. A top-grade artist of All India Radio and Doordarshan. An accomplished musician, Pt. Krishna Ram has received wide acclaim for his performances, in which he renders Hindustani classical forms as well as Thumri, Dadra, Chaiti, Kajri and Hori on the Shehnai.

2. Pt. Krishna Ram Choudhary was born on January 01, 1942 in Benaras, and was groomed in the Benaras style of Shehnai at home by his father Late Shri Buddh Lal Choudhary, a disciple of Pandit Bade Ram Das, the famous Hindustani Classical Vocalist of India. He further learnt the nuances of raga-exposition and the advanced technique of Shehnai from Pandit Mahadev Prasad Mishra of the Benaras Gharana. His uncle Ram Lal, a famous film music director, was also among his teachers in Shehnai.

3. Besides solo performances, Pt. Krishna Ram has also played as duet performance in concerts with leading Hindustani musicians such as Violin maestro Pandit V.G. jog accompanied by Tabla maestro Pandit Kishan Maharaj, Sitar artist Shri Mani Lal Nag accompanied by Tala maestro Pandit Shamta Prasad Mishra,Sitar maestro Shri Shujat Khan and Nishat Khan, Violin artsit Shro Ramoo Prasad Shastri, Violin artist Shri Santosh Nahar, etc. He has performed widely, in festivals including the Ustad Allauddin Khan Music Conferences, the Swami Haridas Music Conference in Mumbai, the Tansen Sangeet Sammelan conferences, the ITC Sangeet Sammelan conferences, the Shankar Lal Music Festival in Delhi, Saptak Music Conference at Ahmedabad, Harivallabh Music conferences, Amritsar, Saptak Music conference, Chennai. He performs regularly on All India Radio and Doordarshan.

4. Among other honours, Pt. Krishna Ram has received the Special President's Award in All India music competition in 1961 by the Hon'ble President of India Sarvapalli Radhakrishan, Gold Medal in 1978 by Bihar Sangeet Conference, Patna for excellence Shehanai playing, the Critics' Circle of Indiain Award in 1982, Sensational Shehanai Player Award by Indian Social Lovers Organisation (ISCLO) 1982 in recognition of his famous contributions towards the Indian Classical Music; the Uttar Pradesh Sangeet Natak Akademi in 1991; Central Sangeet Natak Akademi Award 2008 by the Honble President of India. Vividha Bharati of ALL India Radio has made a documentary of eight episodes on Pt. Krishna Ram under the Sangeet Santa Programme named "Shehnai ke Rang shehnai ke Sang"; Dharmyug Magazine has referred to Pt. Krishna Ram as a "Worthy Successor" of Ustad Bismillah Khan for excellent Shehnai playing in Haridas Sangeet Sammelan at Bombay in 1989.



पं. कृष्णा राम चौधरी

पं. कृष्णा राम चौधरी बनारस के शहनाई संगीत घराने का प्रतिनिधित्व करते हैं एवं आज आपका शुमार शीर्षस्थ शहनाई वादकों में से हैं। आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के आप शीर्षस्थ कलाकार हैं। कुशल संगीतकार के रूप में आपकी विलक्षण प्रस्तुतियों के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा हुई है। अपनी प्रस्तुतियों में आपने हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत विधाओं के साथ-साथ ठुमरी, दादरा, चैती, कजरी तथा होरी को शहनाई की सुमधुर ध्वनियों में पिरोया गया है।

2. आपका जन्म 01 जनवरी 1942 को बनारस में हुआ एवं घर पर ही आपने अपने पिता स्वर्गीय श्री बुद्धलाल चौधरी जो भारत में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन के क्षेत्र में प्रसिद्ध गायक बड़े रामदास के शिष्य थे, से शहनाई की बनारसी शैली में प्रशिक्षण लिया। इसके बाद आपने बनारस घराने के पंडित महादेव प्रसाद मिश्र से राग की बारीकियां तथा शहनाई की एडवांस तकनीक सीखी। आपके चाचा रामलाल जो प्रसिद्ध फिल्म निदेशक थे, भी शहनाई के आपके उत्तम गुरूओं में से एक थे।

3. एकल प्रस्तुतियों के अतिरिक्त आपने अग्रणी हिन्दुस्तानी संगीतकारों यथा वायलिन वादक पं. वी.जी. जोग और तबला वादक पं. किशन महाराज, सितार वादक श्री मणी लाल नाग एवं तबला वादक पं. समता प्रसाद मिश्र, सितार वादक श्री सुजात खान एवं निशात खान, वायलिन वादक श्री रामू प्रसाद शास्त्री वायलिन वादक श्री संतोष नाहर आदि जैसे श्रेष्ठ कलाकरों के साथ कंसर्ट में युगल प्रस्तुतियां भी दी है। आपने उस्ताद अलाउद्दीन खान संगीत सम्मेलन, मुंबई में स्वामी हरिदास संगीत सम्मेलन, तानसेन संगीत सम्मेलन, आई टी सी संगीत सम्मेलन कांफ्रेंस, दिल्ली में शंकरलाल संगीत समारोह, अहमदाबाद में सप्तक संगीत सम्मेलन, हरिवल्लभ संगीत सम्मेलन अमृतसर, सप्तक संगीत सम्मेलन, चेन्नई जैसे सम्मेलनों में अनेक बार प्रस्तुतियां दी है। आप आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के लिए नियमित रूप से प्रस्तुतियां देते रहे हैं।

4. आपको भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन द्वारा वर्ष 1961 में अखित भारतीय संगीत प्रतियोगिता में राष्ट्रपति के विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया, वर्ष 1978 में उत्कृष्ट शहनाई वादन के लिए बिहार संगीत सम्मेलन, पटना द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। आपको वर्ष 1982 में क्रिटिक्स सर्कल ऑफ इंडिया अवार्ड, भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदानों के लिए वर्ष 1982 में इंडियन सोशल लवर्स ऑर्गनाइजेशन (ISCLO) द्वारा सेंशेसनल शहनाई प्लेयर पुरस्कार; 1991 में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी; भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा 2008 में केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मनित किया जा चुका है। आकाशवाणी की विविध भारती ने संगीत संत कार्यक्रम के अंतर्गत आपके ऊपर "शहनाई के रंग शहनाई के संग" नामक 8 एपीसोडों वाली एक डाक्यूमेन्टरी बनायी है; धर्मयुग पत्रिका ने वर्ष 1989 में मुंबई में हरिदास संगीत सम्मेलन में उत्कृष्ट शहनाई वादन के लिए आपको उस्ताद बिसमिल्लाह खान का "योग्य उत्तराधिकारी" ठहराया।